







संपादकीय  
ये आंकड़े चुनावी हैं...

उल्लेखनीय है कि दो वर्ष बाद आंकड़ों में संशोधन किया गया है। तो प्रश्न है कि क्या अब बताए गए आंकड़े अंतिम हैं? या आम चुनाव के माहील में सुर्वियन बटोर लेने के बाद इनमें भी परिवर्तन किया जाएगा? राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एएसओ) ने आर्थिक वृद्धि संबंधी आंकड़ों में कई संशोधन किए और नीतीकों हुआ कि भारत के 2023-24 के आंकड़ों में चमत्कारिक वृद्धि हो गई। पिछले महीने एनएसओ ने यह वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। अब इसे बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया गया है। बताया गया कि वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में यह दर 8.4 प्रतिशत तक पहुंच गई। चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में अनुमानित सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) को बढ़ा कर 6.9 प्रतिशत पर रखा गया है। तो यह देखना दिलचस्प होगा कि आखिर बाकी संशोधन किस आधार पर किए गए। एनएसओ ने 2022-23 में दर्घ हर्ष जीडीपी वृद्धि दर को घटाकर अब 7.2 से 7 प्रतिशत कर दिया है। जाहिर है कि आधार नीते हुआ, तो इस वर्ष की वृद्धि दर ऊंची हो गई। वैसे संशोधन 2021-22 के (कोरोना महामारी के दीक बाद वाले साल) के आंकड़ों में भी किया गया, जिसे अब 9.1 से बढ़ाकर 9.7 प्रतिशत कर दिया गया है। तो चौंक वह आधार ऊंचा हुआ, तो अगले वर्ष की वृद्धि दर गिर गई। उधर पिछले वित्त वर्ष के बारे में बताया गया था कि जीवीए वृद्धि 7 प्रतिशत रही। लेकिन अब इसे घटा कर 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। तो यह भी अधार नीते हुआ। उससे चालू वित्त वर्ष का अनुमान ऊंचा हो गया। उल्लेखनीय है कि दो वर्ष बाद आंकड़ों में संशोधन किया गया है। तो प्रश्न है कि क्या अब बताए गए आंकड़े अंतिम हैं? या आम चुनाव के माहील में सुर्वियन बटोर लेने के बाद इनमें भी परिवर्तन किया जाएगा? यह देखकर कहानी कुछ और रहस्यमय हो जाती है कि एनएसओ ने चालू वित्त वर्ष में निजी उपभोग में अब सिर्फ तीन प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान लगाया है, जबकि जनवरी में जारी आंकड़ों में इसके 4.4 प्रतिशत रहने का अंदाजा लगाया गया था। उधर कृषि क्षेत्र के जीवीए में 0.8 फीसदी की गिरावट अनेकों का अनुमान लगाया गया है, जबकि पूरे वर्ष में महज 0.7 प्रतिशत वृद्धि की बात कही गई है। फिर भी संभवतः कुछ चुने हुए आंकड़ों के आधार पर खुशहाली की कहानी बनी गई है।

■ आचार्य विशुद्ध सागरजी के सान्निध्य में सुमति धाम इन्दौर में अद्भुतपंचकल्याणक

### -राजेंद्र जैन

इन्दौर (विश्व परिवार)। इन्दौर इन्द्रपुरी इन्दौर के नाम से विश्वात धार्मिक नीरी मालवा को कहावत पा-पा रोटी-डग-डा 'नीर' की कहावत को चरितार्थ करती नजर आ रही है। चर्चा शिरोमणि श्रमणाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज संसेच 35 पिंची के पावन सान्निध्य में 6 से 11 मार्च 2024 को एक ऐसा अद्?पुत, जैन जगत में अकल्पनीय ऐतिहासिक पंच कल्याणक होने जा रहा है जो जैन धर्म की वापी को डिजीटल माध्यम से जन-जन में प्रसारित करने में कारबाह बोगा। अभूतपूर्व मुहूर्त के पल-पल का सदुव्योग करने की उच्चावल दृष्टि को ध्यान में रखते हुए इस पंचकल्याणक में किसी से भी एक रूपए का न तो चंदा लिया जा रही है, न ही बोलियां लगाई जा रही हैं। गोधा परिवार, गांधीनगर इन्दौर द्वारा 'सुमति-धाम' गोधा एस्टेट में किए जा रहे इस अभूतपूर्व आयोजन की तैयारियां देखकर लेखक का मन प्रसन्न हुआ। जैन धर्म के गौवरकाली युगा, दम्पत्ति सपना-मनीष गोधा अपनी माँ प्रभा स्व. सुरोग गोधा के आशीर्वाद से इस आयोजन को तीरंस्त्रीय वृद्धि की बात कही गई है।

सुमितनाथ दि. जैन मंदिर का निर्माण एक विशेष परिकल्पना



भी होगी।

दस हजार वर्गफीट में बना है भव्य संत निवास सौभाग्य सदन

मंदिर के समीप ही दस हजार वर्गफीट ऐसे में संत निवास का निर्माण भी पूर्णता की ओर है, संत निवास में कमरों के साथ नीचे वातानुकूलित हाल भी निर्मित किया गया है जिसमें समय-समय पर मण्डल विधान, प्रवचन आदि भी पूर्ण हो सकेंगे। संत निवास सौभाग्य सदन के नाम से पहचाना जाएगा।

पंचकल्याणक डिजिटल होगा पत्रिका प्रिंट नहीं होगी

अत्याधुनिक तकनीक से हो रहे इस पंच कल्याणक के परिकल्पनाकार सपना मनीष गोधा ने बताया कि उनका लक्ष्य युवाओं को धर्म से जोड़ना है, इसलिए पंच कल्याणक के इन्द्र-इन्द्रणी से लेकर आवास आदि समस्त व्यवस्थाएं डिजीटल रूप से ही उपलब्ध रहेंगी। अंतर्देश आन लाइन ही होंगे। बिना किसी शुल्क के होने वाले इस पंचकल्याणक के लिए 1008 युवा इन्द्र-इन्द्रणी का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। सभी भोटी, दुपाल, साड़ी मुकुद, आवास आदि की व्यवस्था की गई है। पंचकल्याणक का प्रासार डिजीटल मीडिया, सोशल नेटवर्क पर ही होगा। पत्रिका कार्ड आदि प्रिंट नहीं कराये जाएंगे। डिजिटल पंचकल्याणक मीडिया, सोशल नेटवर्क पर ही होगा। पत्रिका कार्ड आदि अंदर लेकर युवाओं में अभूतपूर्व उसाह है।

लेजर शो, ड्रोन शो, प्रोजेक्टर मेपिंग का होगा डिजिटल प्रदर्शन



बनाया जायेगा। 1008 इन्द्र इन्द्रणी का सामूहिक हल्दी-मेहंदी का आयोजन 5 मार्च को संपन्न हुआ। पंचकल्याणक के विश्वाल प्रांगण में 1008 इन्द्र इन्द्रणी को सामूहिक रूप से हल्दी-मेहंदी लगाई गई। यह नजरा भी पहली बार देखने की मिला।

आठ दिनों में आठ बड़े संग्रहीत जैन जगत में धर्म राधोर, रुपेण जैन, अजित जैन कृचमान, रगिनी मकड़ आदि अपनी प्रस्तुति देंगे। अंतर्राष्ट्रीय गायक अंजीत जैन देश भर में अपनी उल्कृष्ट प्रस्तुति के लिए जाएंगे। स्वप्न निर्माण ने विश्वाल जैन अंदर की विश्वाल की गई है। विश्वाल जैन अंदर की विश्वाल की गई है।

पंचकल्याणक के दौरान प्रतिदिन अलग-अलग कार्यक्रमों में भी लेजर शो, ड्रोन शो, प्रोजेक्टर मेपिंग आदि नई तकनीकों के माध्यम से जैन धर्म की विशेषताओं, तीव्र दर्शन आदि को प्रस्तुत किया जाएगा। जो जैन जगत में संभवतः पहली बार ही होगा। मंच पर 1800 वर्ग फीट का एलईडी रहेगा। लगभग 70 हजार लोगों वाले एस्टेट के विश्वाल जैन अंदर की विश्वाल की गई है। पंचकल्याणक में 4 लेजर वर्ग पर ही होगा। पत्रिका कार्ड आदि प्रिंट नहीं कराये जाएंगे। डिजिटल पंचकल्याणक का प्रासार डिजीटल मीडिया, सोशल नेटवर्क पर ही होगा। पत्रिका कार्ड आदि अंदर लेकर युवाओं में अभूतपूर्व उसाह है।

लेजर शो, ड्रोन शो, प्रोजेक्टर मेपिंग का होगा डिजिटल प्रदर्शन

पंचकल्याणक के दौरान प्रतिदिन अलग-अलग कार्यक्रमों में भी लेजर शो, ड्रोन शो, प्रोजेक्टर मेपिंग आदि नई तकनीकों के माध्यम से जैन धर्म की विशेषताओं, तीव्र दर्शन आदि को प्रस्तुत किया जाएगा। जो जैन जगत में संभवतः पहली बार ही होगा। मंच पर 1800 वर्ग फीट का एलईडी रहेगा। लगभग 70 हजार लोगों वाले एस्टेट के विश्वाल जैन अंदर की विश्वाल की गई है। पंचकल्याणक में 4 लेजर वर्ग पर ही होगा। पत्रिका कार्ड आदि प्रिंट नहीं कराये जाएंगे। डिजिटल पंचकल्याणक का प्रासार डिजीटल मीडिया, सोशल नेटवर्क पर ही होगा। पत्रिका कार्ड आदि अंदर लेकर युवाओं में अभूतपूर्व उसाह है।

आठ दिनों में आठ बड़े संग्रहीत जैन जगत में धर्म राधोर, रुपेण जैन, अजित जैन देश भर में अपनी प्रस्तुति देंगे। अंतर्राष्ट्रीय गायक अंजीत जैन देश भर में अपनी उल्कृष्ट प्रस्तुति के लिए जाएंगे। स्वप्न निर्माण ने विश्वाल जैन अंदर की विश्वाल की गई है। गांधीनगर के इवान अंदर की विश्वाल जैन अंदर की विश्वाल की गई है।

पंचकल्याणक के दौरान प्रतिदिन अलग-अलग कार्यक्रमों में भी लेजर शो, ड्रोन शो, प्रोजेक्टर मेपिंग का होगा डिजिटल प्रदर्शन

डिजीटल अत्याधुनिक पाठशाला, प्रवचन कक्ष

मंदिर के समीप ही एक पाठशाला व प्रवचन कक्ष का निर्माण कार्यालय जैसे हैं जिसमें भी लेजर शो, ड्रोन शो, प्रोजेक्टर मेपिंग आदि नई तकनीकों के माध्यम से जैन धर्म की विशेषताओं, तीव्र दर्शन आदि को प्रस्तुत किया जाएगा। एस्टेट के विश्वाल जैन अंदर की विश्वाल की गई है। इसलिए 24 परिवर्तनों से एक-एक प्रथम की गई है।

मंदिर के समीप ही एक पाठशाला व प्रवचन कक्ष का निर्माण कार्यालय जैसे हैं जिसमें भी लेजर शो, ड्रोन शो, प्रोजेक्टर मेपिंग आदि नई तकनीकों के माध्यम से जैन धर्म की विशेषताओं, तीव्र दर्शन आदि को प्रस्तुत किया जाएगा। एस्टेट के विश्वाल जैन अंदर की विश्वाल की गई है।

मंदिर के समीप ही एक पाठशाला व प्रवचन कक्ष का निर्माण कार्यालय जैसे हैं जिसमें भी लेजर शो, ड्रोन शो, प्रोजेक्टर मेपिंग आदि नई तकनीकों के माध्यम से जैन धर्म की विशेषताओं, तीव्र दर्शन आदि को प्रस्तुत किया जाएगा। एस्टेट के विश्वाल जैन अंदर की विश्वाल की गई है।

मंदिर के समीप ही एक पाठशाला व प्रवचन कक्ष का निर्माण कार्यालय जैसे हैं जिसमें भी लेजर शो, ड्रोन शो, प्रोजेक्टर मेपिंग आदि नई तकनीकों के माध्यम से जैन धर्म की विशेष







## मां बमलेश्वरी शक्तिपीठ के रेलवे स्टेशन डोंगरगढ़ की बदलेगी तस्वीर, 12 करोड़ रुपए की लागत से होगा यात्री सुविधाओं का विकास

डोंगरगढ़ में चंदे भारत एक्सप्रेस  
का दिया गया ठंडवार

रायपुर (विश्व परिवार)। रेल मंत्रालय के महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधा प्रदान करने हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों के कायाकार्यों के अंतर्गत तयारी की जा रही है।



इस कड़ी में दक्षिण पूर्व रेलवे की 49 स्टेशनों एवं छत्तीसगढ़ राज्य के अंतर्गत 32 स्टेशनों का पुनर्विकास अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। अभी हाल ही में 26 फरवरी' 2024 को माननीय प्रधान मंत्री जी के द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के द्वितीय रेलवे की 37 स्टेशनों एवं छत्तीसगढ़ राज्य के अंतर्गत 21 स्टेशनों के पुनर्विकास के कार्य का शिलान्यास किया गया, जिसमें डोंगरगढ़ स्टेशन की शामिल था। डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन को आने वाले 40-50 सालों के यात्रियों की संख्या को ध्यान में रख कर इसे बहुत कार्य की योजना बनाई गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत डोंगरगढ़ स्टेशन को आने वाले 40-50 सालों के यात्रियों की संख्या को ध्यान में रख कर इसे बहुत कार्य की योजना बनाई गई है।

डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन को विकसित करने

जिसमें यह स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से युक्त हो जायेगा। आगमन और प्रस्थान के लिये अलग मर्ग, चौड़ा फुटओवर ब्रिज, बाल पैंटिंग्स व ऐरोस्स में स्थानीय संस्कृति की झलक, आकर्षक कॉन्कोस, वेटिंग हॉल में फर्मीचर्स, कॉच एवं ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड, आकर्षक पोर्टफोली, पार्किंस की सुविधा, चौड़ा पृष्ठापथ, स्टेनलेस स्टील चेयर, अपग्रेड अनारक्षित टिकट और पैसेंजर रिजिवेशन स्सिस्टम, अंतर्राष्ट्रीय स्टर के साइनेज, स्टेशन परिसर में हाई मास्ट से प्रचुर लाटर, सीसीटीवी द्वारा निगरानी, बुर्जुआ, बच्चे एवं दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए 04 लिफ्ट एवं 02 एक्सेलेटर, गार्डन व मनोहर लैंड स्कैपिंग, आधुनिकता व परंपरा के साथ प्रतीक्षित करता शानदार फसाड इत्यादि अत्यधिक सुविधाएँ यहाँ खड़ी होंगी। डोंगरगढ़ धार्मिक सद्व्यापन की नारी है। यहाँ पर बहुत सारे धर्मिता एवं प्रकृतिक पर्वटन स्थल हैं, जिसमें शक्तिपीठ माँ बहलेश्वरी देवी का मंदिर, प्रज्ञानिरी बोड्ड मंदिर, चंद्रांगीरी पहाड़ी पर स्थित जैन तीर्थकर चंद्रप्रभु जी का प्राचीन मंदिर, सहित अनेक पर्वटन स्थल अवस्थित हैं।

पूजन कर सभी विधान संपत्र किए।

गया। इसके बाद प्रतिमाओं को शयन कराया

गया।

गया।